USAID
FROM THE AMERICAN PEOPLE

बिहार सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

Ministry of Environment,
Forest and Climate Change

# स्मृति वन

**गया, एक ऐसा पवित्र स्थल, जहां मनुष्य का सत्य से परिचय होता है।**
**आइए, इस पावन भूमि पर अपनों की याद में एक अमर, सजीव स्मृति चिन्ह को पौधे के रूप में लगाएं।**

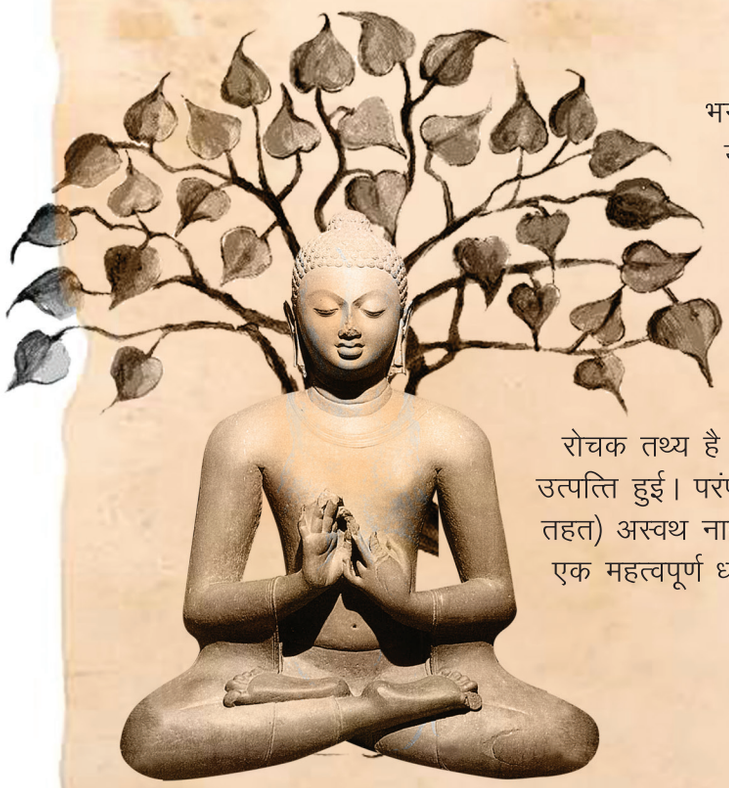

भगवान बुद्ध का प्रकृति के साथ महत्वपूर्ण संबंध रहा है। या यूं कहा जाए कि ये अनगिनत पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन की तीन प्रमुख घटनाओं की प्रकृति साक्ष्य है। जहां एक तरफ सर्व प्रथम उनका जन्म लुम्बनी ग्रोव में हुआ था, वहीं, महज 35 वर्ष कि आयु में उन्हें बोधि वृक्ष के नीचे आत्मज्ञान (निर्वाण) की अनुभूति हुई। अंत में 80 वर्ष कि आयु में भगवान बुद्ध ने साल वृक्षों के बीच ही अंतिम सांसें (परिनिर्वाण) ली। यह भी काफी रोचक तथ्य है कि पेड़ों की पूजा की प्रथा भगवान बुद्ध के समय से ही उत्पत्ति हुई। परंपरागत, आज भी (बौद्ध परंपरा के तहत) अस्वथ नामक पौधे का रोपण व पूजा एक महत्वपूर्ण धार्मिक क्रिया है।

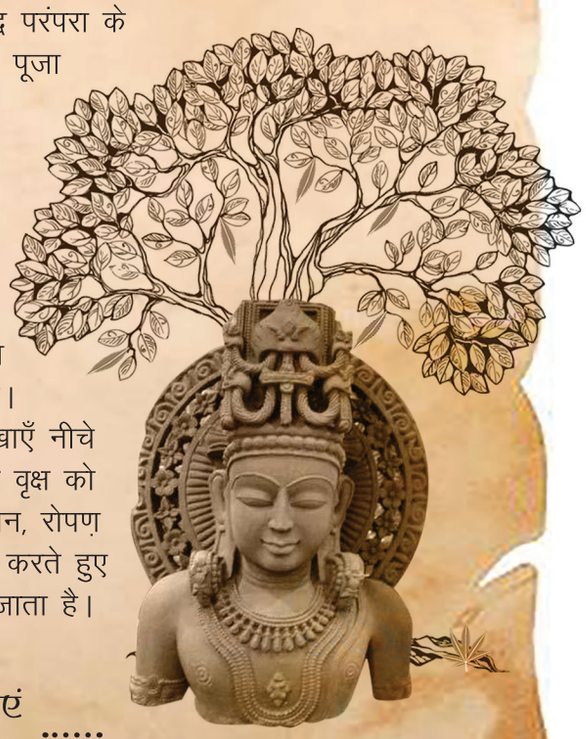

हिंदु धर्म शास्त्रों के अहम स्रोत विष्णु सहस्त्रनाम में भी भगवान विष्णु को परमात्मा (सर्वोच्च) बताया गया है, जिनका वास पीपल के पेड़ में होता है। कहा गया है, "अगम्य पीपल का वृक्ष, जिसकी जड़ें ऊपर की ओर और शाखाएँ नीचे की ओर होती हैं। इस वृक्ष की पत्तियों में वैदिक भजन का समागम है। इस वृक्ष को जो जानता है, वह वेदों का ज्ञाता है।" तर्पण संस्कार करते हुए वृक्षों का पूजन, रोपण और पिंड दान करना एक दैवीय कार्य है। दिवंगत आत्मा का अंतिम संस्कार करते हुए पितरों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने हेतु पीपल के पेड़ में दान चढ़ाया जाता है।

*अपनों की याद में वृक्ष लगाएं*

## प्लांट ए मेमोरी

**फॉरेस्ट-प्लस 2.0**
जल एवं समृद्धि के लिए वन
*के द्वारा एक पहल*

वृक्ष, जीवन, आध्यात्म, ब्रह्मांडीय और भौतिक दुनिया के पवित्र निरंतर संचालन का प्रतीक हैं। धार्मिक या ऐतिहा. सिक घटनाओं में भी पेड़ों का प्रतीकात्मक महत्व है। स्मृति वन हमारे शास्त्रों में वर्णित वृक्षों को बढ़ावा देता है। वृक्ष जो स्वदेशी हैं, वृक्ष जो हमें परम शक्ति से जोड़ते हैं और आपकी यादों को सजीव आकार देते हैं।

## बौद्ध व हिंदु शास्त्रों से संबंधित मुख्य वृक्ष

- अशोक
- आम
- बम्बू
- कदंब
- आंवला
- रेशम कपास का पेड़
- केला
- कचनार
- शीशम
- पीपल
- जामुन
- बकुला / मौलसरी
- पलाश
- बहेडा
- हारो / हर्रा
- कटहल
- अमलतास
- अर्जुन
- साल
- बरगद
- बेल
- नीम
- आसन
- प्लक्ष
- चंपा

## फॉरेस्ट–प्लस 2.0 की भूमिका

फारेस्ट–प्लस 2.0: जल और समृद्धि के लिए वन, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID) और भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय, वन और जलवायु परिवर्तन (MoEFCC) का पांच साल का कार्यक्रम है जो बिहार, केरल और तेलंगाना राज्यों में वनाच्छादित परिदृश्य प्रबंधन में सुधार के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। कार्यक्रम प्रत्येक परिदृश्य में वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के प्रवाह की गहरी समझ में योगदान देता है।